

2. कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—

- क. पार्क क्यों उदास था?
- उ. बच्चों के गंदगी फैलाने के कारण पार्क उदास था।
- ख. चमेली के पौधे को पार्क में क्या नज़र आया?
- उ. चमेली के पौधे को पार्क में गंदगी नज़र आई।
- ग. बच्चे क्या समझ चुके थे?
- उ. बच्चे समझ चुके थे कि उन्हें अपने आसपास कचरा नहीं फैलाना चाहिए।

3. कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—

- क. जानवर पार्क में क्यों आ जाते थे?
- उ. बच्चे पार्क में गंदगी फैलाने लगे थे। उसी गंदगी के कारण जानवर पार्क में आ जाते थे।
- ख. पार्क में कैसा शोर था?
- उ. पार्क में एक साथ अनेक बच्चे आ गए थे। वे बच्चे ही शोर मचा रहे थे।
- ग. बच्चों ने पौधे से क्या कहा?
- उ. बच्चों ने पौधे से कहा कि अब हम कभी यहाँ कचरा नहीं फैलाएँगे।
- घ. गिरे हुए फूल-पत्ते पार्क को क्या फ़ायदा पहुँचाते हैं?
- उ. गिरे हुए फूल-पत्ते पार्क की मिट्टी में मिलकर उसे उपजाऊ बनाते हैं। इस प्रकार वे उसे फ़ायदा पहुँचाते हैं।

2. कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—

क. नभ के राजा कौन हैं?

उ. नभ के राजा सूरज को कहा गया है। आकाश में सूरज का ही राज है।

ख. धूप सुबह-सुबह कहाँ चढ़ जाती है और फिर कहाँ पहुँच जाती है?

उ. धूप सुबह-सुबह ऊँचे महल और मकानों पर चढ़ जाती और फिर आँगन में पहुँच जाती है।

ग. कविता में धूप के बारे में कौन-कौन सी बातें कही गई हैं?

उ. धूप आकाश से आती है। जाड़े की धूप सबको अच्छी लगती है। धूप घर-आँगन में आती है।  
के कारण ही पेड़-पौधों का विकास होता है, सुंदर फूल खिलते हैं।

घ. धूप कब हँसती-मुसकाती है?

उ. धूप सुबह सुंदर फुलवारी के रूप में हँसती-मुसकाती है।

2. कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—

क. योद्धा ने किसान से क्या पूछा?

उ. योद्धा ने किसान से पूछा— “बताओ, पूरी धरती पर मुझसे शक्तिशाली कोई है?”

ख. किसान के चुप रहने पर योद्धा ने क्या किया?

उ. किसान के चुप रहने पर योद्धा ने उसे मारने के लिए गुस्से में अपनी तलवार निकाल ली थी।

ग. योद्धा को अपनी शक्ति पर गर्व क्यों था?

उ. योद्धा को अपनी शक्ति पर गर्व इसलिए था क्योंकि उसने कई युद्धों में विजय प्राप्त की थी।

3. कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—

क. क्या सुनकर योद्धा आग बबूला हो गया?

उ. जब किसान ने योद्धा से कहा कि आप मुझे तो मार सकते हैं पर चींटी को नहीं मार सकते। योद्धा सुनकर गुस्से से आग बबूला हो गया।



ख. योद्धा ने अपने घोड़े को क्यों मार दिया?

उ. जब योद्धा ने चींटी को अपने घोड़े की गरदन पर रेंगते हुए देखा तो उसने चींटी को मारने के लिए उस पर वार किया जिससे घोड़े की गरदन कट गई और वह मर गया। इस तरह योद्धा ने अपने ही घोड़े को मार दिया।

ग. योद्धा ने जंगल के सारे पौधों को क्यों काट दिया?

उ. योद्धा को चींटी पौधे पर रेंगती दिखाई देती तो वह उसे मारने के लिए पौधे पर वार करता जिससे वह पौधा कट जाता, फिर उसे चींटी दूसरे पौधे पर रेंगती हुई दिखाई देती तो वह उस पौधे को भी कट देता। इस तरह चींटी को मारने के लिए योद्धा ने जंगल के सारे पौधों को काट दिया।

घ. किसान ने योद्धा को क्या समझाया?

उ. किसान ने योद्धा को समझाया कि वह सचमुच एक वीर योद्धा है परंतु इस बात के घमंड ने उसे अहंकारी बना दिया।

ङ. अंत में योद्धा ने किसान से क्या कहा?

उ. अंत में योद्धा ने किसान से कहा— “मैं तुम्हारा और इस चींटी का आभारी हूँ।”